सिद्धार्थ व उसके सखा का प्रकृति को निहारना।

तीर लगे पक्षी का घायल होकर गिरना।

सिद्धार्थ हंस को गोद में लेता है और तीर निकालता है।

देवदत्त आता है और हंस को अपना बताता है।

सिद्धार्थ और देवदत्त में हंस को लेकर झगड़ा होता है।

दोनों महाराज शुद्धोदन की सभा में जाते हैं।

मंत्री हंस को बुलाने का फैसला करते हैं।

हंस सिद्धार्थ की गोद में जाता है, महाराज हंस को सिद्धार्थ को दे देते हैं।

LIVEWORKSHEETS